भेड़-बकरी की नस्ल सुधार के लिए खुलेंगे 4 केंद्र

केंद्रीय भेड़ प्रजनन केंद्र के निदेशक डॉ. एके मलहोत्रा ने कहा-उन्नत किस्म की भेड़ बकरियों का कृत्रिम गर्भाधान करने में भी करेंगे ट्रेंड

महबूब अली| हिसार

प्रदेश के भेड़ और बकरी पालने वाले पशुपालकों को नस्ल सुधार और उत्पादन बढ़ाने के संबंध में ट्रेंड करने के लिए प्रदेश के हिसार समेत चार स्थानों पर जल्द ही प्रसार केंद्र खुलेंगे। केंद्रीय भेड़ प्रजनन केंद्र के अधिकारियों ने प्रसार केंद्र के लिए गांवों का चयन करना शुरू कर दिया है। यही नहीं अच्छी नस्ल के पशुओं के लिए कृत्रिम गर्भाधान की भी ट्रेनिंग की जाएगी।

केंद्रीय भेड़ प्रजनन फार्म के निदेशक डा. एके मलहोत्रा।

केंद्रीय भेड़ प्रजनन केंद्र के निदेशक डा. एके मलहोत्रा ने बताया कि सरकार का प्रयास है कि पशुपालन के साथ-साथ किसानों की आय को दोगुना कराया जाए। भेड़, बकरी की नस्ल सुधार के लिए जहां बीटल नस्ल की बकरी पालने के प्रति किसानों को जागरूक किया जा रहा है। वहीं भेड़ और बकरी की नस्ल सुधार के लिए प्रदेश के चार स्थानों पर प्रसार केंद्र खुलेंगे। जिनमें हिसार भी शामिल है। प्रसार केंद्र के अंदर पशुपालकों को कृत्रिम गर्भाधान से लेकर टैक्नॉलाजी से किस तरह से उत्पादन बढ़ाए, किस तरह से पशुओं को बीमारियों से बचाया जा सकता है, इसके बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी जाएगी। अप्रैल माह के अंदर प्रसार केंद्र को शुरू करा दिया जाएगा।

बीटल नस्ल की यह है खासियत

निदेशक डा. एके मल्होत्रा के अनुसार यह नसल पंजाब और हरियाणा राज्यों में पायी जाती है लेकिन ज्यादातर पंजाब के गुरदासपुर, अमृतसर और फिरोजपुर जिलों में पायी जाती है। बीटल बकरी मांस और डेयरी उद्देश्य दोनों के लिए तैयार की जाती है। इनकी टांगे लंबी, लटके हुए कान, छोटी और पतली पूंछ और पीछे की ओर मुड़े हुए सींग होते हैं। प्रौढ़ नर बकरी का भार 50-60 किलो और मादा बकरी का भार 35-40 किलो होता है। नर बकरी के शरीर की लंबाई लगभग 86 सैं.मी. और मादा बकरी के शरीर की लंबाई लगभग 71 सैं.मी. होती है। प्रतिदिन दूध की औसतन उपज 2.0-2.25 किलो और प्रति ब्यांत में 150-190 किलो दूध की उपज होती है।

हिसार का केंद्रीय भेड़ प्रजनन फार्म।

हाल ही में संस्थान के वैज्ञानिकों ने मथुरा में ली थीं विशेष ट्रेनिंग

नस्ल सुधार के लिए हाल ही में केंद्रीय भेड़ प्रजनन केंद्र के वेज्ञानिकों को मथुरा के कालेज में विशेष ट्रेनिंग दी गई थी। जिसमें अत्याधुनिक तरीके से कृत्रिम गर्भाधान के बारे में जानकारी दी गई थी। अब किसानों के प्रसार सेंटरों के माध्यम से ट्रेंड किया जाएगा।

वर्ष 1968-70 में की गई थी केंद्रीय भेड़ प्रजनन केंद्र की स्थापना

हिसारमें केंद्रीय भेड़ प्रजनन फार्म की स्थापना वर्ष 1968-70 में की गई थी। यह केंद्र उस समय आस्ट्रेलियन सरकार की सहयोग से स्थापित किया गया था। उस समय हरियाणा सरकार ने फार्म को एक रुपए की लीज पर लगभग 6484 एकड़ जमीन दी थी। परंतु 1997 में प्रदेश सरकार ने फार्म से 4028 एकड़ जमीन वापस ले ली। फार्म के पास अब केवल 2456 एकड़ जमीन की बची है। फार्म ने भेड़ बकरियों की नई नस्ल और उन्हें बचाने के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

प्रजनन केंद्र की फैक्ट फाइल

- हिसार का केंद्रीय भेड़ प्रजनन केंद्र जुगलान गांव में स्थित है
- केंद्र करीब 2500 एकड़ जमीन में फैला है
- हरियाणा में बकरी पालने वालों की संख्या- 3 लाख 75 हजार
- हरियाणा में भेड़ पालने वालों की संख्या- करीब ढाई लाख